

प्रेषक,

श्याम सिंह,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 20 मार्च 2016

विषय: वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-27 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष की राज्य सेक्टर योजना वन विभाग के आवासीय/अनावासीय भवनों का निर्माण एवं सुदृढीकरण हेतु पुनर्विनियोग।

महोदय,

उपरोक्त विषयक प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड के पत्र संख्या नि. 1546/3-5(आवा0/अना0) दिनांक 06.02.2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-27 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष की राज्य सेक्टर योजना "वन विभाग के आवासीय/अनावासीय भवनों का निर्माण एवं सुदृढीकरण" हेतु संलग्न बी0एम0-9 के अनुसार ₹15.63 लाख (पंद्रह लाख त्रेसठ हजार मात्र) की धनराशि पुनर्विनियोग की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31.03.2016 तक कर लिया जायेगा यदि पुनर्विनियोजित की गयी धनराशि समर्पित की जाती है तो इस हेतु सम्बन्धित अधिकारी/व्यय नियंत्रक अधिकारी का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा। दिनांक 31.03.2016 तक उपभोग न होने पर धनराशि समर्पित कर दी जायेगी।
 2. धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा जिसके लिये स्वीकृत किया जा रहा है।
 3. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
 4. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 2- इस सम्बन्ध में होने व्यय वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-27 के अन्तर्गत संलग्न बी0एम0-9 के कॉलम-5 में अंकित लेखाशीर्षक के मानक मदों के नामे डाला जायेगा तथा बी0एम0-9 के कॉलम-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।
- 3- ये आदेश वित्त विभाग अ0शा0प0स0-189(P)/XVII-4-2015-16 दिनांक 28 मार्च 2016 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्न : बी0एम09

भवदीय,

(श्याम सिंह)
उप सचिव

संख्या-833/X-2-2016-12(54)/2012, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून को बी0एम0-9 की मूल प्रति सहित
5. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. गार्ड फाईल।

(श्याम सिंह)
उप सचिव

उत्तराखण्ड शासन
(वित्तीय वर्ष 2015-2016)

बी.एम. - 09

अनुदान संख्या - 027
पुनर्वित्तियोग स्वीकृति आदेश संख्या - 839/X-2-2016-12(54)/201

बजेटमेंट आईटी - RI 603270976
दिनांक - 28-Mar-2016

क्रम संख्या	बजेट प्राविधान तथा चेचनितिक (1)	मानक प्रदात कक्षा/वित्तिय अर्थ	वित्तिय वर्ष के अन्त में अनुमानित अर्थ (3)	अनुदान वार्षिक वार्षिक वार्षिक (4)	चेचनितिक वित्तिय अनुदान वार्षिक वार्षिक वार्षिक (5)	पुनर्वित्तियोग के बाद स्थायी -5 की कुल अनुदान (6)	पुनर्वित्तियोग के बाद स्थायी -1 में कुल अनुदान (7)	अन्तिम (In Rupees)
1	4406 वार्षिक और अन्य वित्तिय पर पूंजीगत परिकल्पना 01 वार्षिक 800 अन्य वित्तिय 10 वित्तिय के बाद स्थायी का विकास 00 वित्तिय के बाद स्थायी का विकास (Plan Voted)				4406 वार्षिक और अन्य वित्तिय पर पूंजीगत 01 वार्षिक 101 वित्तिय के बाद स्थायी और विकास 04 वित्तिय वित्तिय के बाद स्थायी / अनुदान 00 वित्तिय वित्तिय के बाद स्थायी / अनुदान (Plan Voted)			
24 - वृद्ध निर्माण कार्य	8000000	0	6437000	1563000	24 - वृद्ध निर्माण कार्य	1563000	71563000	6437000
योग				1563000	योग	1563000		

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्वित्तियोग से बजेट अनुदान के परिच्छेद 133, 134 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

पुनर्वित्तियोग किये जाने हेतु प्रपत्र 09 की मूल प्रति वित्तिय डाटा सेक्टर 23- बरफी रोड डालनवाला, देहरादून को उपलब्ध करायी

422 R